बजरंग बाण

॥ दोहा ॥

निश्चय प्रेम प्रतीति ते,
विनय करैं सनमान।
तेहि के कारज सकल शुभ,
सिद्ध करैं हनुमान॥

॥ चौपाई ॥

जय हनुमन्त सन्त हितकारी।
सुन लीजै प्रभु अरज हमारी॥

जन के काज विलम्ब न कीजै।
आतुर दौरि महा सुख दीजै॥

जैसे कूदि सिन्धु महि पारा।
सुरसा बदन पैठि विस्तारा॥

आगे जाय लंकिनी रोका।
मारेहु लात गई सुर लोका॥

जाय विभीषण को सुख दीन्हा।
सीता निरखि परम पद लीन्हा॥

बाग उजारि सिन्धु महँ बोरा।
अति आतुर यम कातर तोरा॥

अक्षय कुमार को मारि संहारा।
लूम लपेट लंक को जारा॥

लाह समान लंक जरि गई।
जय जय ध्वनि सुर पुर में भई॥

अब विलम्ब केहि कारन स्वामी।
कृपा करहु उर अन्तर्यामी॥

जय जय लखन प्राण के दाता।
आतुर होई दुख करहु निपाता॥

जय गिरिधर जै जै सुख सागर।
सुर समूह समरथ भट नागर॥

ॐ हनु हनु हनु हनुमंत हठीले।
बैरिहिं मारू वज्र की कीले॥

गदा बज्र लै बैरिहिं मारो।
महाराज प्रभु दास उबारो॥

ॐकार हुंकार प्रभु धावो।
बज्र गदा हनु विलम्ब न लावो॥

ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं हनुमंत कपीशा।
ॐ हुँ हुँ हुँ हनु उर शीशा॥

सत्य होहु हरि शपथ पायके।
राम दूत धरु मारु धाय के॥

जय जय जय हनुमन्त अगाधा।
दुःख पावत जन केहि अपराधा॥

पूजा जप तप नेम अचारा।
नहीं जानत हौं दास तुम्हारा॥

वन उपवन मग गिरी गृह माहीं।
तुम्हरे बल हम डरपत नाहीं॥

पाँय परौं कर जोरि मनावौं।
येहि अवसर अब केहिं गौहरावौं॥

जय अंजनी कुमार बलवन्ता।
शंकर सुवन वीर हनुमन्ता॥

बदन कराल काल कुल घालक।
राम सहाय सदा प्रतिपालक॥

भूत प्रेत पिशाच निशाचर।
अग्नि बैताल काल मारी मर॥

इन्हें मारु तोहि शमथ राम की।
राखु नाथ मर्याद नाम की॥

जनक सुता हरिदास कहावो।
ताकी शपथ विलम्ब न लावो॥

जै जै जै धुनि होत अकाशा।
सुमिरत होत दुसह दुख नाशा॥

चरण शरण कर जोरि मनावौं।
यहि अवसर अब केहि गौहरावौं॥

उठु उठु चलु तोहि राम दुहाई।
पाँय परौं कर जोरि मनाई॥

ॐ चं चं चं चं चपल चलन्ता।
ॐ हनु हनु हनु हनु हनुमन्ता॥

ॐ हं हं हांक देत कपि चंचल।
ॐ सं सं सहमि पराने खल दल॥

अपने जन को तुरत उबारौ।
सुमिरत होय आनन्द हमारौ॥

यह बजरंग बाण जेहि मारै।
ताहि कहो फिर कौन उबारै॥

पाठ करैं बजरंग बाण की।
हनुमत रक्षा करैं प्राण की॥

यह बजरंग बाण जो जापै।
ताते भूत प्रेत सब कांपै॥

धूप देय अरु जपै हमेशा।
ताके तन नहिं रहै कलेशा॥

।। दोहा ।।

प्रेम प्रतीतहि कपि भजै,
सदा धरैं उर ध्यान।
तेहि के कारज सकल शुभ,
सिद्ध करैं हनुमान॥

[1]

---

[1] सौजन्य से:

धर्मयात्रा **(DharmYaatra)**

वेबसाइट: https://dharmyaatra.in/

व्हाट्सऐप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🔱, धार्मिक कथाएं 🕉️, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🛕, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘, घरेलू नुस्खे 🥥, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं ☸️ (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ

जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

व्हाट्सएप ग्रुप

व्हाट्सएप चैनल

फेसबुक पेज

इंस्टाग्राम प्रोफाइल